उत्तरमाला
1. मुंशी प्रेमचंद
2. पछाई जाति
3. एक दूसरे को चाट कर और सूँघकर
4. दोनों बैल काम में चौकस और एक दूसरे के प्रति प्रेम और मित्रता का भाव रखते थे।
5. इसका अर्थ है कि जानवर होते हुए भी वे एक दूसरे के मन के भावों को इतनी अच्छी तरह जान लेते थे जबकि ईश्वर की सर्वश्रेष्ठ रचना, मानव इस शक्ति से वंचित है।
2.
1.वे पूरी मेहनत से झूरी के सारे काम किया करते थे तथा जो मिलता था खा लेते थे। उन्होंने झूरी को कभी शिकायत का मौका नहीं दिया था। झूरी का साला गया जब उन्हें अपने साथ ले जाने लगा तो उन्हें लगा कि उन्हें झूरी ने गया के हाथों बेच दिया है। उन्हें गया के साथ जाना पसंद नहीं आया।
2.सच्चे मित्र आपस में खूब घुल -मिलकर रहते हैं ।एक अगर संकट में हो तो दूसरा उसकी मदद करता है। दोनों एक दूसरे के साथ अपना सुख- दुख बांटते हैं। हां ,हीरा और मोती भी सच्चे मित्र थे। एक दूसरे की मुसीबत की घड़ी में वे दोनों एक -दूसरे का साथ कभी नहीं छोड़ते थे।
3. झूरी की पत्नी ने हीरा और मोती को पहले नमक हराम इसलिए कहा क्योंकि वे उसके भाई गया के घर से भाग आए थे। बाद में उनका माथा इसलिए चूमा क्योंकि हीरा और मोती ने यह सिद्ध कर दिया था कि व कितने ईमानदार और स्वामी भक्त हैं।
4. पाठ में लेखक ने बताया है कि आज संसार में सरलता और सीधेपन आदि गुणों का कोई मूल्य नहीं है। पाठ में हीरा और मोती के सीधेपन का शोषण किया जाता है। लेकिन जब वे विद्रोह करते हैं या सींग चलाते हैं तो उनका शोषण करना कम हो जाता है।
5.झूरी के घर प्रातःकाल लौटे बैलों का घर और गाँवों के लड़कों ने तालियाँ बजा-बजाकर स्वागत किया। उनमें से किसी ने अपने घरों से रोटियाँ लाकर खिलाई तो किसी ने गुड़। इसी प्रकार किसी ने चोकर लाकर दिया तो किसी ने भूसी। इस प्रकार उन्होंने उन दोनों बैलों का बड़े ही स्नेहपूर्वक स्वागत किया।
6.सबसे पहले मोती ने बैलगाड़ी समेत गया को खाई में गिराना चाहा, परन्तु हीरा ने ऐसा करने से मोती को रोक दिया। जब उनके सामने सूखा चारा डाला गया तो उन्होंने भूसे की ओर देखा तक नहीं। जब गया ने हीरा की नाक पर डंडे बरसाए तब मोती ने उसके हल, जुआ, जोत आदि सब तोड़ डाले, अन्त में उन्होंने फिर से वहाँ से निकल भागने की योजना बनाई और वे इस योजना में कामयाब रहे।